समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 22 September 2026

प्रित्थ्वी फेस्टिवल 2025 के उद्घाटन मे बॉलीवुड और रंगमंच का संगम — नसीरुद्दीन शाह, नीना गुप्ता और बोमन ईरानी ने किया डांस, सैफ अली खान कपूर परिवार के साथ दिखे

Sanket Morankar
Published on 05 Nov 2025

मुंबई के जुहू इलाके में स्थित **प्रित्थ्वी थिएटर** एक बार फिर सितारों की चमक से जगमगा उठा। **कपूर परिवार** द्वारा आयोजित **प्रित्थ्वी फेस्टिवल 2025** की शानदार शुरुआत इस सप्ताहांत हुई, जिसमें बॉलीवुड और रंगमंच की कई जानी-मानी हस्तियों ने शिरकत की। उद्घाटन समारोह न केवल कला का उत्सव था, बल्कि भारतीय थिएटर की समृद्ध परंपरा को श्रद्धांजलि भी।

फेस्टिवल की ओपनिंग नाइट में **नसीरुद्दीन शाह, रत्ना पाठक शाह, नीना गुप्ता, बोमन ईरानी, सैफ अली खान, दिव्या दत्ता और ज़हान कपूर** सहित अनेक नामचीन कलाकार शामिल हुए। इस मौके पर थिएटर के भीतर और बाहर रचनात्मक ऊर्जा और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

कार्यक्रम की शाम को और खास बना दिया उन पलों ने, जब नसीरुद्दीन शाह, नीना गुप्ता और बोमन ईरानी ने मंच पर एक साथ डांस किया। उनकी उमंग और सहजता ने पूरे माहौल को जीवंत बना दिया। इंस्टाग्राम पर प्रित्थ्वी थिएटर द्वारा साझा की गई तस्वीरों में ये सभी कलाकार बेहद खुश नजर आए।

युवा अभिनेता और **प्रित्थ्वी थिएटर ट्रस्टी ज़हान कपूर** ने मेहमानों का स्वागत किया और पूरे कार्यक्रम की अगुवाई की। वे अपने जीजा **सैफ अली खान** के साथ हंसी-मजाक करते दिखाई दिए, जो कपूर परिवार के इस आयोजन में शामिल होकर अपनी मौजूदगी से सबका दिल जीत गए।

प्रित्थ्वी थिएटर के इस वार्षिक आयोजन की खासियत यही रही कि यह सिर्फ थिएटर प्रेमियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बॉलीवुड के सितारे भी इसकी आत्मा में घुल-मिल गए। इंस्टाग्राम पर साझा तस्वीरों में पूरा थिएटर परिवार एक साथ जश्न मनाता दिखा — मुस्कुराहटें, बातचीतें, और नृत्य के रंगों से भरी यह शाम वाकई यादगार रही।

फिल्म इंडस्ट्री के कई सदस्यों ने इस कार्यक्रम को मिस करने का अफसोस भी जताया। अभिनेत्री **दीया मिर्ज़ा** ने कमेंट किया, "आप सबके साथ रह नहीं पाई, बहुत याद आई।" वहीं **लिलेट दुबे** ने लिखा, "हमारी शो 'Zen Katha' की वजह से नहीं आ सके, पर तस्वीरें शानदार हैं।" इसके अलावा **रसिका दुग्गल, श्रेया धनवंतरि, आहना कुमरा और व्रजेश हिरजी** जैसे कई कलाकारों ने भी पोस्ट पर प्यार भरे संदेश भेजे।

हर साल की तरह इस बार भी फेस्टिवल की शुरुआत सर्दियों की दस्तक के साथ हुई है। इस वर्ष का थीम है — "**Celebrating Stories, Stage and Community**" यानी 'कहानियों, मंच और समुदाय का उत्सव।'

यह महोत्सव **17 नवंबर 2025** तक चलेगा, जिसमें **प्रित्थ्वी थिएटर** और **प्रित्थ्वी हाउस** दोनों ही स्थलों पर विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे। इनमें नाट्य प्रस्तुतियाँ, संगीत संध्याएँ, फिल्म स्क्रीनिंग और इंटरैक्टिव वर्कशॉप शामिल हैं।

फेस्टिवल के दौरान कई प्रसिद्ध रंगकर्मियों और फिल्म कलाकारों की मास्टरक्लास भी आयोजित की जा रही हैं। खास तौर पर **नसीरुद्दीन शाह** थिएटर पर अपनी कार्यशाला लेंगे, जिसमें युवा कलाकारों को अभिनय की बारीकियाँ सिखाई जाएंगी।

प्रित्थ्वी फेस्टिवल सिर्फ प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक ऐसा मंच है जहाँ कला समुदाय का निर्माण होता है। इस बार भी यहां नए और पुराने कलाकारों के बीच संवाद का खूबसूरत माहौल देखने को मिला। अनुभवी अभिनेताओं ने युवा रंगकर्मियों को प्रेरित किया और थिएटर की बदलती दिशा पर चर्चा की।

कपूर परिवार, विशेष रूप से **ज़हान कपूर**, ने इस फेस्टिवल को नई दृष्टि देने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि,

> "प्रित्थ्वी फेस्टिवल हमारे लिए सिर्फ आयोजन नहीं, बल्कि परंपरा है। यह हमारे परिवार और थिएटर जगत के बीच एक सेतु का काम करता है।"

फेस्टिवल के पहले दिन के कार्यक्रम के बाद कलाकारों के बीच हुई हल्की-फुल्की गपशप, हंसी-मज़ाक और दोस्ती की झलक ने इस शाम को और भी खुशनुमा बना दिया। मंच पर नसीरुद्दीन शाह और रत्ना पाठक शाह जैसे कलाकारों की मौजूदगी ने दर्शकों को याद दिलाया कि सिनेमा चाहे जितना आगे बढ़ जाए, थिएटर की आत्मा कभी नहीं मिट सकती।

नीना गुप्ता ने कहा,

> "थिएटर मेरे लिए हमेशा आत्मा की जगह रहा है। फिल्मों में पहचान मिली, लेकिन थिएटर ने मुझे कलाकार बनाया।"

आने वाले दिनों में फेस्टिवल में कई नए नाटकों की प्रस्तुतियाँ की जाएंगी, जिनमें सामाजिक विषयों से लेकर मानवीय संवेदनाओं पर आधारित कहानियाँ शामिल हैं। साथ ही लाइव म्यूज़िक और कविता पाठ के सत्र भी होंगे, जिससे दर्शकों को कला की हर विधा का अनुभव मिल सकेगा।

प्रित्थ्वी फेस्टिवल 2025 का उद्घाटन एक उत्सव की तरह रहा — जहाँ कला, संगीत, नृत्य, मित्रता और प्रेरणा सब एक साथ मिले। बॉलीवुड और थिएटर का यह संगम बताता है कि जब सिनेमा और रंगमंच साथ आते हैं, तो रचनात्मकता की कोई सीमा नहीं रहती।

मुंबई की इस रंगीन रात ने यह साबित कर दिया कि **कला सिर्फ मंच पर नहीं, बल्कि दिलों मे भी जिंदा रहती है।**

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.